हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शुक्रवार 2 अक्टूबर 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 पीएम आवास में पात्रों के हक पर लापरवाही का पहरा...



07 आज रोपा पौधा कल फल दे ऐसा करो संकल्प...



खबर संक्षेप

अग्निवीर भर्ती रैली 455 युवाओं ने दर्ज कराई उपस्थिति

सागर। सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर द्वारा इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर में वार्षिक भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। यह रैली 01 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। रैली के दौरान मध्यप्रदेश के 10 जिलों ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, भिंड, मुरैना, टीकमगढ़, छतरपुर, श्योपुर, सागर और निवाड़ी के युवाओं ने अग्निवीर ट्रेड्समैन (आठवीं पास एवं दसवीं पास ट्रेड) में अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। आज सेना भर्ती में कुल 455 युवाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से 384 उम्मीदवार दौड़ में सफल रहे। दौड़ में सफल उम्मीदवारों की शारीरिक प्रवीणता, कागजी कार्रवाई एवं मेडिकल जांच की प्रक्रिया जारी है। जिला प्रशासन सागर एवं सेना भर्ती कार्यालय ग्वालियर के संयुक्त सहयोग से भर्ती प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। रैली में युवाओं में उत्साह देखा जा रहा है। भारतीय सेना में चयन निष्पक्ष, पारदर्शी एवं केवल योग्यता के आधार पर किया जाता है। युवाओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के झांसे में न आएं।

पूर्व निर्णयों पर अमल नहीं, निगमायुक्त की कार्यप्रणाली पर महापौर नाराज

एमआईसी सदस्यों के साथ बैठक से बाहर आईं महापौर, शासन को शिकायत भेजने का निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

नगर निगम की महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक बुधवार को नवीन भवन सभाकक्ष में महापौर संगीता सुशील तिवारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों पर समयसीमा में कार्रवाई नहीं होने को लेकर महापौर और एमआईसी सदस्यों ने निगमायुक्त राजकुमार खत्री की कार्यप्रणाली पर गंभीर नाराजगी जताई। महापौर ने कहा कि कई महत्वपूर्ण जनहित के निर्णय लंबे समय से लंबित हैं और बार-बार निर्देश देने के बावजूद उन पर अमल नहीं हो रहा है।महापौर ने कहा कि पूर्व बैठकों में सात दिन में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन समयसीमा में प्रतिवेदन नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि 'आपकी महापौर आपके द्वार' जनचौपाल के किसी भी कार्यक्रम में निगमायुक्त उपस्थित नहीं हुए और पार्षदों की समस्याओं का भी अपेक्षित निराकरण नहीं हुआ। इस पर एमआईसी ने निगमायुक्त की कार्यप्रणाली की निंदा करते हुए मुख्यमंत्री, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व आयुक्त नगरीय प्रशासन सहित संभागायुक्त और कलेक्टर को पत्र भेजने का निर्णय लिया। इसके बाद महापौर एमआईसी सदस्यों के साथ बैठक से बाहर चली गईं।



डेयरी विस्थापन पर सवाल

बैठक में बताया गया कि 155 डेयरियों में से 125 को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें 35 डेयरियों ने जियो टैगिंग के प्रमाण के साथ पुनः आवेदन किया है। सदस्य धर्मेंद्र खटीक ने सवाल उठाया कि अब तक सभी डेयरियां विस्थापित क्यों नहीं हुईं और बिना पशु रखने वालों को भी प्लॉट कैसे आवंटित कर दिए गए। महापौर ने कहा कि डेयरी विस्थापन का काम कागजों पर अधिक और धरातल पर कम हुआ है। निगमायुक्त ने 15 दिन में अपात्र आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राजघाट डीसिल्टिंग के लिए समिति बनाने की मांग

राजघाट डीसिल्टिंग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बड़े क्षेत्र में काम पूरा हो चुका है, लेकिन जलस्तर बढ़ने से शेष काम बाधित है। धर्मेंद्र खटीक ने कार्य की निगरानी के लिए समिति गठित करने की मांग की।

बीएलसी योजना की जांच 15 माह बाद भी लंबित

बीएलसी घटक योजना में वित्तीय अनियमितताओं की जांच का मामला भी बैठक में उठा। महापौर परिषद ने जनवरी 2025 में कार्रवाई के लिए आयुक्त को अधिकृत किया था। करीब 15 माह तक कार्रवाई नहीं होने के बाद जून 2026 में फिर 15 दिन में कार्रवाई के निर्देश दिए गए, लेकिन अब तक जांच लंबित है। सदस्य विनोद तिवारी ने कहा कि कई कर्मचारी सेवानिवृत्त और कुछ की मृत्यु भी हो चुकी है। महापौर ने कहा कि निगमायुक्त ने अब तक कार्रवाई से परिषद को अवगत नहीं कराया है।

बड़े प्रोजेक्ट और जनसमस्याओं पर भी नाराजगी

महापौर ने मल्टीलेवल पार्किंग और साबूलाल मार्केट जैसे प्रोजेक्ट में देरी पर सवाल उठाए। किशोर न्यायालय आवासीय योजना की हितग्राही स्वाति जैन ने आवास मिलने के बावजूद पानी-बिजली की सुविधा नहीं होने की शिकायत की। वृंदावन वार्ड के श्रीराम नगर में जलभराव, हार्कस जोन में बोर्ड नहीं लगने और भगवान परशुराम चौराहा व लवकुश चौराहा निर्माण में कार्रवाई नहीं होने के मुद्दे भी उठे।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों की सूची सार्वजनिक करने और नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने का निर्णय लिया गया। अवैध नल कनेक्शनों पर घरेलू कनेक्शन के लिए 25 हजार और व्यावसायिक कनेक्शन पर 50 हजार रुपए जुर्माना लगाने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले माह 100 से अधिक अवैध कनेक्शन काटे गए हैं। इसके अलावा निगम भवनों में सोलर एनर्जी लगाने, एनर्जी ऑडिट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत उपविधि लागू करने सहित अन्य प्रस्तावों पर भी निर्णय लिए गए।

दो पाटों के बीच निगमायुक्त... 'सावत' बचाना मुश्किल!

'चलती चक्की देखकर रहा कबीरा रोय
दो पाटन के बीच में साबुत बचा न कोय'...

सागर नगर निगम की राजनीति में बुधवार को हुई एमआईसी की बैठक ने एक बार फिर उन सवालों को सामने ला दिया, जिनकी चर्चा निगम के गलियारों में लंबे समय से होती रही है। महापौर परिषद में निगमायुक्त राजकुमार खत्री की कार्यप्रणाली को लेकर जिस तरह नाराजगी सामने आई, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर निगमायुक्त खड़े कहां हैं- महापौर और एमआईसी के साथ, या निगम की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच किसी तीसरे मोर्चे पर? हालांकि, तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। निगमायुक्त खत्री के कार्यकाल में शहर में स्वच्छता, सफाई और अन्य विकास कार्यों को लेकर उनकी सक्रियता दिखाई देती रही है। सुबह से लेकर देर रात तक उन्हें शहर के अलग-अलग हिस्सों में व्यवस्थाओं का जायजा लेते और अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश देते देखा जाना कोई नई बात नहीं है। यही वजह है कि निगम की प्रशासनिक मशीनरी में उनकी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन राजनीति और प्रशासन की अपनी-अपनी सीमाएं होती हैं। निगम में चल रही गुटबाजी के बीच अधिकारी की हर गतिविधि का राजनीतिक चश्मे से देखा जाना उसके लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। बुधवार की बैठक में सामने आए आरोपों और महापौर की नाराजगी ने इसी खींचतान को और सार्वजनिक कर दिया।

सवाल यह भी है कि यदि पूर्व में एमआईसी द्वारा लिए गए निर्णय समय पर लागू नहीं हुए, तो उनकी जिम्मेदारी किसकी है? यदि अधिकारी अपने स्तर पर किसी निर्णय की व्यावहारिक अड़चन के कारण कार्रवाई नहीं कर पा रहे थे, तो क्या एमआईसी को समय रहते इसकी जानकारी दी गई? और यदि निर्णयों पर अमल नहीं हुआ, तो इतने लंबे समय तक जवाबदेही तय क्यों नहीं हुई?

यहीं कबीर की चक्की याद आती है। दो पाटों के बीच कौन पिस रहा है, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन फिलहाल निगमायुक्त उस चक्की के बीच खड़े जरूर दिखाई दे रहे हैं। एक ओर निर्वाचित महापौर और एमआईसी हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक व्यवस्था और शासन के निर्देश।

उनकी मेहनत अपनी जगह है और एमआईसी की आपत्तियां अपनी जगह। अब जरूरत इस बात की है कि दोनों के बीच संवाद की कमी राजनीतिक टकराव में न बदले। आखिर नगर निगम किसी एक व्यक्ति का नहीं, शहरवासियों का संस्थान है। विकास की चक्की चलती रहे, लेकिन उसमें शहर के हित 'दो पाटों' के बीच न पिसें, यही सबसे बड़ा सवाल है।



राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में ग्रेटमेन स्कूल की छात्राओं ने जीते पदक

सागर। मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग द्वारा सतना में 26 से 29 सितम्बर तक आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता अंडर-17 बालक/बालिका वर्ग ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शहर के ग्रेटमेन इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत एवं कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। दल प्रभारी एवं ताइक्वांडो कोच बाबुल पटेल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले प्रतिभागियों ने बालक/बालिका वर्ग में अंडर-17 -38 कि.ग्रा. में पेरीविंकल विश्वरंजन-रजत पदक, -46 कि.ग्रा.नम्रता कुशराम-कांस्य पदक, -68 कि.ग्रा. राजवानी पटेल-कांस्य पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण प्रदेश के लगभग 300 बालक/बालिका प्रतिभागी सम्मिलित रहे।

स्वयंसेवकों ने स्वास्थ्य शिविर में किया सहयोग

सागर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर की राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र एवं छात्रा इकाई के स्वयंसेवकों ने विभिन्न सेवा गतिविधियों में सहभागिता की। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।स्वयंसेवकों ने आनंद वृद्धाश्रम में जिला आयुष चिकित्सालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के साथ व्यवस्थाओं में सहयोग किया। शिविर में डॉ. आशीष पटेल, डॉ. विवेक जैन एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ द्वारा वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया गया।

बिना ट्रेड लायसेंस के पुराने वाहनों का क्रय विक्रय करने पर बालाजी ऑटो डील को किया गया सीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सागर द्वारा आज बालाजी आटो डील, भगवानगंज सागर में स्थित परिसर का निरीक्षण किया गया, जिसमें यह पाया गया कि परिसर में 48 पुरानी मोटर साईकिल वाहन खड़ी हुई पाई गई। बालाजी आटो डील के प्रो. अनुज केशरवानी से पूछा गया कि इतनी बड़ी संख्या में मोटरसाईकिल वाहन क्यों खड़े है, तो उनके द्वारा बताया गया कि उक्त वाहन क्रय करने के उपरांत उन्हें विक्रय किया जाता है। जब उनसे पूछा गया कि आपके द्वारा पुराने मोटरसाईकिल वाहन विक्रय करने हेतु ट्रेड लायसेंस प्राप्त किया गया है तो उनके द्वारा बताया गया कि उद्योग विभाग से उद्यमिता प्रमाण प्राप्त कर पुरानी वाहनों का विक्रय किया जाता है। परिवहन विभाग से उनके द्वारा कोई ट्रेड लायसेंस प्राप्त नहीं किया गया है।

परिसर में स्थित बालाजी आटो डील के आफिस को चेक करने पर पाया गया की कई वाहनों के स्वामित्व अंतरण एवं फायनेंस निरस्त से संबंधित फार्म-29, 30 एवं 35 हस्ताक्षरित मिले है, और आवेदन फार्मो पर वाहन के चौसिस नम्बर इनवॉस किये गये है। इसके अलावा 15 मोटरसाईकिल वाहनों की एचएसआरपी नम्बर प्लेट मिली है, जो वाहनों में नहीं लगाई गई थी। इससे यह स्पष्ट है कि बालाजी आटो डील के प्रो. द्वारा नियम विरूद्ध तरीके से पुरानी मोटरसाईकिल वाहनों को क्रय विक्रय किया जा रहा था। तत्पश्चात पंचनामा तैयार कर 48 पुरानी मोटरसाईकिल, 15 एसएसआरपी नम्बर प्लेट, स्वामित्व अंतरण एवं फायनेंस निरस्त से संबंधित फार्म-29, 30 एवं 35 हस्ताक्षर किए हुए थे, उन्हें जप्त कर परिसर के मुख्य द्वार को बंद कराकर उस पर ताला लगाकर सील किया गया है।



क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सागर द्वारा समस्त प्रकार के पुरानी वाहन क्रय विक्रय करने वालो से यह अपील की है कि आप नियमानुसार परिवहन विभाग से ट्रेड लायसेंस प्राप्त कर ही पुरानी वाहन क्रय विक्रय करें, यदि निरीक्षण के दौरान बिना ट्रेड लायसेंस के पुराने वाहन क्रय विक्रय करते हुए पाये जाने पर मोटरयान अधिनियम के तहत कठोर कार्यवाही की जावेगी। यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

28 नवंबर से होगा 172 मंडलीय समवशरण महामंडल विधान

सागर। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज एवं विद्याकुल शिरोमणि आचार्य श्री समय सागर महाराज के आशीर्वाद से 28 नवंबर से 6 दिसंबर तक विद्योदय जैन तीर्थक्षेत्र में 172 मंडलीय समव शरण महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन निर्यापक श्रमण श्री अभयसागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में संपन्न होगा।मुकेश जैन ढाना ने बताया कि विधानाचार्य ब्रा संजीव भैया कटंगी के निर्देशन में आयोजित होने वाले इस विधान के लिए अब तक 50 से अधिक समवशरण मंडल श्रावको ने आरक्षित करा लिए हैं। एक मंडल का आवंटन 54 हजार रुपये की राशि में किया जा रहा है। विधान में सभी इंद्र-इंद्राणियों एवं प्रमुख पात्रों के लिए केवल हथकरघा वस्त्र धारण करना अनिवार्य रहेगा। विधान में तीन मुख्य मंडल भी होंगे, जिनमें प्रमुख पात्रों का चयन बोलियों के माध्यमसे किया जाएगा।



गो माता हमारे इष्ट की भी भगवान हैं: कथा व्यास

रहली। स्थानीय देवलिया मंडपम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर कथा व्यास आशीर्वाद महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत मधुर और भावपूर्ण वर्णन किया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कथा का वाचन करते हुए आशीर्वाद महाराज ने गो सेवा की महिमा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा गो माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि हमारे इष्ट देवों की भी भगवान हैं। हर व्यक्ति को अपने जीवन में गो सेवा अवश्य करनी चाहिए। महाराज श्री ने ज्योतिषीय एवं धार्मिक महत्व समझाते हुए बताया कि जीवन में किसी भी ग्रह की दशा या अशुभ प्रभाव चल रहा हो, मंगलवार और शनिवार के दिन हाथ में गुड़ और चना लेकर गो माता को खिलाने से सभी बुरे प्रभाव दूर होते हैं। उन्होंने कहा कि जब गो माता अपने स्नेह से मनुष्य के हाथों को चाटती है, तो वह उसके सोए हुए भाग्य को जगा देती है।कथा के दौरान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं और माखन चोरी के प्रसंगों का सजीव वर्णन सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे। संपूर्ण पांडाल जय श्री कृष्णा और गो माता के जयकारों से गुंजायमान रहा। आरती के पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

खुरई विधानसभा क्षेत्र में 2 अक्टूबर को ''सेवा मेरा योगदान'' के तहत स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन

खुरई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत खुरई विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों, ग्रामों व प्रमुख स्थलों पर 2 अक्टूबर को ''सेवा मेरा योगदान'' स्वच्छता कार्यक्रम होंगे। पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह खुरई के डोहेला किला में प्रातः 10 बजे आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल होंगे।पूर्व गृहमंत्री की उपस्थिति में स्वच्छता कार्यक्रम के पश्चात 11 बजे खुरई महाकाली टीन शेड पर स्वच्छता मित्रों का सम्मान कार्यक्रम होगा। नगरपालिका खुरई द्वारा आयोजित की गई स्वच्छ भारत निबंध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह होगा साथ ही सिंह महिला योग केंद्र का शुभारंभ करेंगे। पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह दोपहर 1 बजे आफीसर कालोनी में नवीन पार्क निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। स्वच्छता अभियान की सफलता हेतु खुरई तथा मालथौन जनपदों, नगरपालिका, नगर परिषदों और भाजपा के सभी छह मंडलों की बैठकें आयोजित कर विभिन्न सहयोगियों को व्यवस्थाएं सौंपी गई हैं।

मेडिकल स्टोरों पर फार्मासिस्टों की उपस्थिति अनिवार्य

ओवर द काउंटर दवा बिक्री पर रोक: नियम तोड़े तो निरस्त होगा मेडिकल स्टोर का लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिले में दवाओं की बिक्री, मेडिकल स्टोरों के संचालन और ड्रग लाइसेंस से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए ड्रग इंस्पेक्टरों एवं औषधि प्रशासन को कड़े निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि बिना डॉक्टर की पर्ची के 'ओवर द काउंटर' मिलने वाली प्रतिबंधित या नशीली दवाओं की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।उन्होंने कहा कि मेडिकल स्टोर/केमिस्ट शॉप पर फार्मासिस्ट का मौजूद होना अनिवार्य होगा। यदि एक ही फार्मासिस्ट के नाम का उपयोग करके कई दुकानों पर लाइसेंस लिए गए हैं, तो ऐसे मामलों पर तत्काल प्रभाव से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



स्टॉकिस्ट और रिटेलर का मिलान

स्टॉकिस्ट से लेकर रिटेल स्तर तक दवाओं के स्टॉक का मिलान औ बैक-ट्रैकिंग की जाएगी। दवाओं की श्रेणी पर नियंत्रणः प्रतिबंधित एवं विशेष श्रेणी की दवाओं को अलग रखा जाए तथा उनकी बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सीएमएचओ द्वारा जारी कैलेंडर अनुसार निरीक्षण करें। एक्सपायरी दवाओं के निस्तारण के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) का पालन सुनिश्चित किया जाए। दवाओं की बिक्री पंजी की भी रैंडम जांच की जाएगी। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा ड्रग इंस्पेक्टरों के लिए दवाओं के सैंपल लेने का मासिक लक्ष्य तय किया जाएगा।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्पष्ट किया है कि ड्राइव मोड में कार्य करते हुए ऐसे मेडिकल स्टोर, जो पहले से सील हैं या जहाँ अनियमितताएँ पाई गई हैं, उनके लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। बड़े थोक विक्रेताओं के परिसरों का सिटी मजिस्ट्रेट, सीएमएचओ, ड्रग इंस्पेक्टर और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से दौरा व निरीक्षण किया जाएगा।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्पष्ट किया है कि आम जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वाली दुकानों का लाइसेंस तुरंत सस्पेंड या कैंसिल कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि संपूर्ण जिले में विभिन्न स्तर पर नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर कार्यवाही की जा रही है जहां एक और स्कूल कॉलेज क्षेत्र एक संस्थाओं छात्रावासों में नशे को रोकने और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए तो उसे कदम उठाए जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर अवैध /आसानी से उपलब्ध हो सकने वाले ऐसी दवाई जिन्हें व्यक्ति एडिक्शन के रूप में लेते हैं, उनकी बिक्री पर भी रोक लगाई जा रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर म.प्र.

क्र./नामा./रा.वि./न.नि./2026 -27 /400 **सूचना** सागर दिनांक 29/09/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सीमा के अंतर्गत नीचे दिये गये भवनों/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन-पत्र प्राप्त हुये हैं। अतः इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से 30 दिवस के अंदर आयुक्त नगर पालिक निगम, सागर के नाम प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रकरण क्रमांक	वार्ड का नाम म.न./प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयतदाता/दानदाता/वंशानुक्रम द्वारा	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1231 26/27	शनीचरी	रजि. बैनामा शपथ पत्र	विमला पति स्व. संतोष एवं दीपिका पति उमाकांत दुबे तथा दिव्या पति रजनीश शुक्ला दोनों पुत्री स्व. सन्तोष द्विवेदी	अभिनव पिता अरुण मिश्रा
1232 26/27	गुरूगोविन्द	मृत्यु-प्रमाण पत्र शपथ पत्र	स्व. लक्ष्मीबाई पति स्व. दीनदयाल सोनी	मंजुला एवं मीना दोनों पुत्री स्व. दीनदयाल सोनी
1233 26/27	सुभाषनगर	रजि. बैनामा शपथ पत्र	राजकुमारी पति शिवराज उर्फ शिबू सूर्यावंशी (अहिरवार)	मनोज कुमार एवं वीरू दोनों पिता राजू कोरी
1234 26/27	मधुकरशाह	मृत्यु-प्रमाण पत्र शपथ पत्र	स्व. अतिन पिता अवध नारायण श्रीवास्तव	अमिता पति स्व. अतिन श्रीवास्तव
1235 26/27	राजीव नगर	रजि बैनामा शपथ पत्र	रामकुमार पिता पुरूषोत्तमदास साहू	सुनीता पति मनोज श्रीवास्तव
1236 26/27	रविदास	मृत्यु-प्रमाण पत्र शपथ पत्र	मे.अरिहन्त कारपोरेशन द्वारा पार्ट. सुशीला पति स्व. रमेशचंद जैन	सुधीर, सुनीता, साधना, संध्या एवं सुलभा सभी पुत्र/पुत्री स्व. रमेशचन्द जैन
1237 26/27	भगवानगंज	रजि बैनामा शपथ पत्र	मोह. अरमान एवं मोह. अहसान दोनों वल्द मोह. उस्मान	राजकुमार पिता गोबर्धन हजुरानी
1238 26/27	रविदास	रजि बैनामा शपथ पत्र	देवेंद्र कुमार पिता सुरेशचन्द जैन	सुनील कुमार पिता निर्मलचंद एवं दीप्ती पति सुनील कुमार जैन
1239 26/27	वृन्दावन	रजि बैनामा शपथ पत्र	रामसखी पति किशनलाल पाराशर	अर्चना पति आलोक शुक्ला
1240 26/27	गोपालगंज	रजि बैनामा शपथ पत्र	राजेंद्र कुमार पिता बालचन्द जैन	रानू पति सचिन नायक

आयुक्त , नगर पालिक निगम, सागर

जिला पंचायत ने 5 दिन में तो जनपद ने 7 दिन में परीक्षण के दिए थे निर्देश, समिति गठित होने के बावजूद जांच शुरू नहीं

पीएम आवास में पात्रों के हक पर लापरवाही का पहरा, पात्रता की जगह मिल रही सिर्फ तारीख

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

गरीब परिवारों को पक्की छत देने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में यदि पात्रता तय करने में ही मनमानी के आरोप सामने आएं और शिकायत के बाद जांच के आदेश भी कार्रवाई में तब्दील न हों, तो सवाल सिर्फ एक योजना का नहीं, बल्कि पूरी प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली का खड़ा होता है। जतारा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मालपीथा में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को कथित तौर पर अपात्र किए जाने का मामला अब इसी वजह से सुर्खियों में है। शिकायत सामने आने के बाद अधिकारियों ने जांच के लिए बाकायदा पत्र जारी किए, पुनः परीक्षण के निर्देश दिए और जिला पंचायत स्तर से भी कार्रवाई का आदेश जारी हुआ, लेकिन आरोप है कि आदेशों के बावजूद करीब एक माह से वास्तविक जांच शुरू नहीं हो सकी है।



जांच के नाम पर दिए जा रहे सिर्फ कागजी निर्देश

ग्राम पंचायत मालपीथा में पात्रों को अपात्र करने के मामले में सामने आए सरकारी पत्र इस पूरे प्रकरण को और गंभीर बनाते हैं। जनपद पंचायत जतारा की ओर से जुलाई 2026 में जारी पत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम मालपीथा के हितग्राहियों की पूर्व में हुई जांच का उल्लेख करते हुए बताया गया कि कुछ हितग्राही अपात्र पाए जाने के कारण आवास का लाभ नहीं पा सके। इसी संबंध में शिकायतकर्ता गोलू राजा बुंदेला द्वारा पुनः जांच के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने के बाद संबंधित हितग्राहियों की पात्रता का पुनः परीक्षण कर 07 दिवस में रिपोर्ट कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। लेकिन मामले की जांच शुरू तक नहीं हो रही। जाँच शुरू करने के लिये सिर्फ कागजी निर्देश दिए जा रहे है।

जिला पंचायत ने भी माना शिकायत गंभीर, लेकिन परिणाम सिफर

मामला यहीं नहीं रुका। आवेदक गोलू राजा बुंदेला ने 4 अगस्त को जिला पंचायत टीकमगढ़ के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की जांच के दौरान सरपंच एवं ग्रामीणों द्वारा बताई गई जानकारी के आधार पर पात्र-अपात्र का निर्धारण किया गया तथा कथित रूप से एक स्थान पर बैठकर जांच रिपोर्ट तैयार कर दी गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस प्रक्रिया में कई पात्र हितग्राहियों को अपात्र कर दिया गया, जिसके कारण वे आज भी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित हैं। इस शिकायत को जिला पंचायत ने महज आवेदन मानकर फाइल में दबाने के बजाय 24 अगस्त को जनपद पंचायत जतारा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भेजा। तत्कालीन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवीत कुमार धुर्वे द्वारा जारी पत्र में शिकायत के साथ सूची संलग्न करते हुए सूची अनुसार जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन स्पष्ट अभिमत सहित पांच दिवस में जिला पंचायत को भेजने के निर्देश दिए गए। लेकिन ये 5 दिन की समय सीमा महीना भर में भी पूरी नहीं हो सकी।

जांच समिति तो बनी, लेकिन कर्मियों ने जांच से ही बनाई दूरी

मामले में सबसे गंभीर स्थिति यह बताई जा रही है कि जांच के लिए समिति गठित की गई, लेकिन जाँच समिति में शामिल कर्मचारियों द्वारा ही जांच करने से कथित तौर पर दूरी बनाई जा रही है। यदि यह स्थिति सही है तो इससे जांच की पूरी प्रक्रिया पर ही सवाल खड़ा होता है। शिकायत के बाद निष्पक्ष जांच के लिए समिति बनाना प्रशासनिक कार्रवाई का पहला कदम है, लेकिन समिति बनने के बाद जांच ही शुरू न हो तो शिकायतकर्ता को न्याय कैसे मिलेगा। सोचने वाली बात तो ये है कि बरिष्ठ अधिकारी द्वारा गठित की गई जाँच समिति कर्मचारी आखिर जाँच करने से दूरी क्यों बना रहे।

2022 की जांच पर उठे सवाल, अब दोबारा परीक्षण का इंतजार

पूरे प्रकरण की जड़ वर्ष 2022 में हुई कथित जांच से जुड़ी है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उस समय हितग्राहियों की पात्रता का वास्तविक एवं मौके पर परीक्षण करने के बजाय एक स्थान पर बैठकर रिपोर्ट तैयार की गई और कई पात्र लोगों को अपात्र कर दिया गया। हालांकि इन आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन जिला पंचायत द्वारा शिकायत को जनपद पंचायत को भेजकर सूचीवार जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए जाने से यह स्पष्ट है कि शिकायत पर प्रशासनिक स्तर पर परीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई थी। अब असली सवाल यह है कि जांच कब पूरी होगी और उसके निष्कर्ष क्या होंगे? यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो पात्र हितग्राहियों को योजना के लाभ से वंचित रखने के लिए जिम्मेदारी तय करना होगी। वहीं यदि जांच में हितग्राही नियमों के अनुसार अपात्र पाए जाते हैं तो उनके अपात्र होने का स्पष्ट आधार भी सामने रखना होगा। दोनों ही परिस्थितियों में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच जरूरी है।

पत्राचार हुआ, लेकिन जमीन पर कार्रवाई कब?

मालपीथा का यह मामला सरकारी योजनाओं में केवल कागजी कार्रवाई और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच के अंतर पर भी सवाल खड़ा कर रहा है। एक ओर जनपद पंचायत सात दिन में पुनः परीक्षण की रिपोर्ट मांगती है, दूसरी ओर जिला पंचायत पांच दिन में जांच और कार्रवाई का प्रतिवेदन मांगती है। इसके बावजूद यदि जांच प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती तो यह अधिकारियों के आदेशों की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रधानमंत्री आवास योजना सीधे गरीब परिवारों की जिंदगी और उनकी छत से जुड़ी योजना है। ऐसे में पात्रता सूची में नाम होने या हटाए जाने का सवाल किसी सामान्य प्रशासनिक सूची का विषय नहीं माना जा सकता। किसी परिवार के लिए आवास का लाभ मिलना उसके जीवन की बड़ी जरूरत पूरी होने जैसा है। इसलिए पात्रता के निर्धारण में पारदर्शिता और शिकायतों के निराकरण में समयबद्धता बेहद महत्वपूर्ण है।मालपीथा के पात्र हितग्राहियों को अपने हक का इंतजार है और शिकायतकर्ता को जांच के नतीजे का। देखना यह है कि सरकारी पत्रों में तय की गई समयसीमा के बाद अब कार्रवाई जमीन पर दिखाई देती है या पीएम आवास के पात्रों का हक भी फाइलों के बीच ही अटका रहता है।

इनका कहना है--

हमने मालपीथा मामले में निर्देश दे दिए है। 10 दिन में जांच हो जाएगी।

विशाल धाकड़, सीईओ, जिला पंचायत टीकमगढ़

3 दिन से प्यासा पलेरा नल सूखे, बूंद-बूंद पानी को तरसे नगरवासी





हरिभूमि न्यूज ⏭ पलेरा

नगर परिषद की लापरवाही और उदासीनता का खामियाजा इन दिनों पलेरा के हजारों नगरवासियों को प्यास के रूप में भुगतना पड़ रहा है। पिछले तीन दिनों से पूरे नगर की पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। घरों में पानी की जरूरत पूरी करने के लिए लोगों को इधर-उधर से पानी जुटाना पड़ रहा है, जबकि नगर परिषद की ओर से समस्या के तत्काल समाधान के लिए कोई प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार फिल्टर प्लांट की मुख्य पानी की मोटर जल जाने के कारण नगर की जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है। हैरानी की बात यह है कि स्थानीय लोगों के अनुसार नगर परिषद की बैठक में फिल्टर प्लांट के लिए नई मोटर खरीदने का प्रस्ताव पहले ही पारित किया जा चुका था, लेकिन इसके बावजूद नई मोटर की खरीदी नहीं की गई। अब पुरानी मोटर खराब होने के बाद पूरी जलापूर्ति व्यवस्था चरमरा गई और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ा है।

फिल्टर प्लांट की मोटर जली तो ठप हुई जलापूर्ति

लोगों का कहना है कि जब फिल्टर प्लांट की मोटर पुरानी और खराब होने की स्थिति में थी, तब समय रहते नई मोटर की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? क्या नप ने गर्मी और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था तैयार नहीं की थी? तीन दिन से जलापूर्ति बंद होने के बावजूद जिम्मेदारों द्वारा समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

मोटर खराब, व्यवस्था भी बेपटरी

नगरवासियों का आरोप है कि पलेरा में पेयजल व्यवस्था लंबे समय से अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। अब फिल्टर प्लांट की मुख्य मोटर जलने के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। लोगों का कहना है कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए नगर परिषद को हमेशा तैयार रहना चाहिए, लेकिन मोटर खराब होने के बाद तीन दिन तक पूरे नगर को पानी के लिए परेशान होना इस व्यवस्था की गंभीर कमजोरी को उजागर करता है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि नगर परिषद में चल रही कथित आपसी राजनीतिक खींचतान और द्वेष का असर कहीं न कहीं शहर की मूलभूत सुविधाओं पर पड़ रहा है। फिलहाल पानी के लिए परेशान जनता जवाब मांग रही है।

फिल्टर प्लांट पर भी उठे सवाल, गंदे पानी की शिकायत

पेयजल संकट के बीच फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। एहसान खान, मनोज अहिरवार एवं पत्रकार सद्दाम राईन ने आरोप लगाया कि फिल्टर प्लांट में नियमित रूप से पानी का समुचित फिल्टरेशन नहीं किया जाता। उनके अनुसार कई बार नगरवासियों को बदबूदार और गंदा पानी मिलने की शिकायत रहती है। उनका कहना है कि यदि पेयजल की आपूर्ति की जा रही है तो उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना नगर परिषद की प्राथमिक जिम्मेदारी है। दूषित अथवा बदबूदार पानी की शिकायतों को नजरअंदाज करना नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी चिंता का विषय बन सकता है। ऐसे में केवल मोटर बदलना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि फिल्टर प्लांट की पूरी व्यवस्था की जांच और आवश्यक सुधार भी किया जाना चाहिए।

अब आंदोलन की चेतावनी

लगातार तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप होने के कारण नगरवासियों का धैर्य जवाब देने लगा है। लोगों ने नगर परिषद प्रशासन से तत्काल नई मोटर की व्यवस्था कर जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है। साथ ही फिल्टर प्लांट की कार्यप्रणाली को दुरुस्त करने और नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग उठाई है।

धान की फसल मवेशियों से बर्बाद होने का आरोप, थाना, एसपी और कलेक्टर कार्यालय में शिकायत के बाद भी जांच नहीं होने का दावा

न्याय न मिलने तक नहीं जाएंगे घरः धरने पर बैठा किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

हमें न्याय चाहिए, जब तक न्याय नहीं मिलेगा हम घर नहीं जाएंगे। हाथों में न्याय की मांग लिखी तख्ती लेकर गुरुवार को एक किसान अपनी पत्नी के साथ कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गया। पलेरा तहसील के पुरैनिया (गुंदराई खिरक) गांव निवासी किसान कन्हैयालाल रैकवार का आरोप है कि रामनगर गांव के कुछ लोगों ने उसके खेत में मवेशी छोड़ दिए, जिससे करीब एक एकड़ में खड़ी धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। किसान का कहना है कि मामले की शिकायत पलेरा थाने से लेकर एसपी कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय तक की गई, लेकिन इसके बावजूद अब तक मौके पर जांच नहीं की गई।



किसान कन्हैयालाल रैकवार ने बताया कि 27 सितंबर को रामनगर गांव के कुछ लोगों ने उसके खेत में मवेशी छोड़ दिए थे। किसान के अनुसार खेत में करीब एक एकड़ क्षेत्र में धान की फसल लगी थी। इसके अलावा खेत में एक बोरा धान, करीब आठ किलो उड़द और धान की बोनी की गई थी। किसान का आरोप है कि मवेशियों के खेत में घुसने के कारण पूरी फसल को नुकसान पहुंचा और उसकी मेहनत पर पानी फिर गया। किसान ने बताया कि जब उसने संबंधित लोगों से खेत में मवेशी छोड़ने से मना किया तो उसके साथ कथित तौर पर गाली-गलौज की गई और धमकाया भी गया। इसके बाद उसने 27 सितंबर को ही पलेरा थाने में शिकायत की। किसान का कहना है कि उसने मामले की जानकारी और कार्रवाई की मांग को लेकर एसपी कार्यालय तथा कलेक्टर कार्यालय में भी आवेदन दिया, लेकिन इसके बाद भी खेत पर पहुंचकर फसल के नुकसान की जांच नहीं की गई। किसान कन्हैयालाल का कहना है कि फसल बर्बाद होने के बाद उसे उम्मीद थी कि संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखेंगे और नुकसान का आकलन करेंगे। लेकिन शिकायत के बाद भी जब कोई अधिकारी जांच के लिए खेत पर नहीं पहुंचा तो उसने दोबारा प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का निर्णय लिया।

इसी के चलते गुरुवार को वह अपनी पत्नी के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचा और मुख्य गेट के बाहर धरने पर बैठ गया। किसान के हाथ में न्याय दिलाने की मांग लिखी तख्ती थी। दंपती का कहना था कि जब तक उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं होती और उन्हें न्याय नहीं मिलता, तब तक वे धरना जारी रखने को मजबूर हैं। किसान का कहना है कि खेती उसकी आजीविका का मुख्य आधार है। एक एकड़ में खड़ी धान की फसल नष्ट होने से उसे आर्थिक नुकसान हुआ है। ऐसे में वह चाहता है कि प्रशासन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए, मौके पर फसल के नुकसान का सत्यापन कराया जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर मोहल्लेवासियों ने सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। नेहरू नगर में नेहरू युवा केंद्र के पास रहने वाले मोहल्लेवासियों ने क्षेत्र की खराब सड़क की समस्या को लेकर सदर विधायक रामरतन कुशवाहा को ज्ञापन सौंपकर सीसी रोड निर्माण कराने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि नेहरू युवा केंद्र के पास मेन रोड से अंदर जाने वाली गली में आनंद सरदार के घर तक सड़क की स्थिति अत्यंत खराब है। बारिश के दौरान मार्ग पर कीचड़ एवं जलभराव होने से आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मोहल्लेवासियों ने मार्ग पर सीसी रोड का निर्माण कराने की मांग की।

लेखक संघ की नई कार्यकारिणी गठित

विदिशा। मप्र लेखक संघ इकाई विदिशा की बैठक किरी मोहल्ला स्थित गोविंद देवलिया के निवास पर हुई। सर्वसम्मति से निवर्तमान अध्यक्ष पं. विजय चतुर्वेदी को जिला संयोजक तथा परमानंद मिश्रा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नंद कुमार तिवारी एवं शिव कुमार तिवारी को उपाध्यक्ष और पं. सुशील शर्मा 'सरल' को सचिव बनाया गया। बैठक में अधिक से अधिक नवीन आजीवन एवं वार्षिक सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया।

चंद्रपुरा से निकला नवाचार पहुंचा दिल्ली, मिला आईएससी-फिक्की स्वच्छता पुरस्कार-2026

भूमिगत ड्रेनेज और सिल्ट चैंबर मॉडल की देशभर में सराहना

गंदे पानी की समस्या का टीकमगढ़ी समाधान बना राष्ट्रीय मॉडल, ग्रे-वॉटर प्रबंधन में राष्ट्रीय पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

बुंदेलखंड के टीकमगढ़ जिले की धरती से निकला एक स्थानीय प्रयोग अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। जिन गांवों की गलियों में कभी घरों से निकलने वाला गंदा पानी, कीचड़, जलभराव और मच्छरों की समस्या आम थी, वहीं तैयार किया गया टीकमगढ़ का विकेंद्रीकृत ग्रे-वॉटर प्रबंधन मॉडल अब देश के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। जिला पंचायत टीकमगढ़ को आईएससी-फिक्की स्वच्छता पुरस्कार-2026 में एक्सीलेंस इन वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट एंड रीयूज श्रेणी में राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया है। यह पुरस्कार ग्रामीण क्षेत्रों में गंदे पानी के प्रभावी प्रबंधन और उपचार के लिए विकसित किए गए टीकमगढ़ के अभिनव मॉडल को मिला है। इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन ने भी टीकमगढ़ के मॉडल को चैंबर आधारित भूमिगत ड्रेनेज के माध्यम से घरेलू ग्रे-वॉटर प्रबंधन, ब्लॉकेज कम करने और ओडीएफ प्लस परिणामों को मजबूत करने वाला मॉडल बताया है। यह गौरवपूर्ण सम्मान 15 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया सैनिटेशन कॉन्क्लेव के गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। पुरस्कार इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन और फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया, जबकि इस श्रेणी को आईटीसी लिमिटेड द्वारा सह-प्रायोजित किया गया। जिले की ओर से यह सम्मान कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय, जिला पंचायत जिला समन्वयक मनीष जैन ने प्राप्त किया।



राष्ट्रीय स्तर की जूरी ने किया चुनाव- टीकमगढ़ के इस मॉडल का मूल्यांकन राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों वाली जूरी द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. आरए माशेलकर, अध्यक्ष, इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन-फिक्की सैनिटेशन अवार्ड्स, प्रभाकर लिंगारेड्डी, कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं प्रमुख, सामाजिक निवेश, आईटीसी, प्रो. वी श्रीनिवास चारी, वॉश विशेषज्ञ, ईशान रैना, रैना एडवाइजरी एंड एडवांस्ड लीडरशिप के संस्थापक, अश्विनी सक्सेना, सीईओ, जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन, अलोका मजूमदार प्रबंध निदेशक, वैश्विक परोपकार एवं स्थिरता प्रमुख, एचएसबीसी इंडिया तथा मनोज गुलाटी उपाध्यक्ष, ग्रोथ इम्पैक्ट, एशिया वाटर डॉट ओआरजी आदि शामिल रहे। राष्ट्रीय स्तर पर चयन ग्रे-वॉटर प्रबंधनके पीछे टीकमगढ़ के मॉडल की कम लागत, स्थानीय संसाधनों का उपयोग, ग्रामीण भागीदारी, तकनीकी सरलता, विस्तार की क्षमता और प्रभावी ग्रे-वॉटर प्रबंधन जैसी विशेषताओं को महत्वपूर्ण माना गया।

चंद्रपुरा से शुरू हुये नवाचार से जिले को मिली राष्ट्रीय पहचान- इस अभिनव पहल की शुरुआत जिले के छोटे से गांव चंद्रपुरा से हुई थी। गांव की गलियों में बहते गंदे पानी और उससे पैदा होने वाली कीचड़ व मच्छरों की समस्या के समाधान के लिए पारंपरिक खुली नालियों के बजाय भूमिगत ड्रेनेज का प्रयोग किया गया। मॉडल के तहत घरों से निकलने वाले नहाने, कपड़े धोने और रसोई के पानी को सीधे गलियों में बहने से रोकने के लिए घरों के बाहर सिल्ट चैंबर बनाए गए। इन चैंबरों में गाद और ठोस कचरा रुक जाता है, जबकि अपेक्षाकृत साफ ग्रे-वॉटर को भूमिगत पाइप नेटवर्क के माध्यम से गांव के अंतिम छोर पर बनाए गए सोख्ता गड्ढों तक पहुंचाया जाता है। इस व्यवस्था ने खुले नालों की जगह जमीन के भीतर पाइप आधारित नेटवर्क तैयार कर दिया। परिणामस्वरूप गलियों में गंदे पानी का बहाव और जलभराव कम हुआ तथा गांवों के वातावरण में भी बदलाव दिखाई देने लगा। टीकमगढ़ मॉडल की खासियत इसकी तकनीकी सरलता और अपेक्षाकृत कम रखरखाव लागत भी है।

ग्रामीणों की स्वीकार्यता ने बनाया इसे व्यवहारिक- इस नवाचार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में ग्रामीण समुदाय की भागीदारी रही। सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों को लेकर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच दूरी दिखाई देती है, लेकिन टीकमगढ़ के इस मॉडल में ग्रामीणों ने इसे अपनी आवश्यकता से जोड़कर स्वीकार किया। घरों के गंदे पानी को गलियों में बहने से रोकने और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने वाली व्यवस्था ने ग्रामीणों को सीधे लाभ पहुंचाया। यही सामुदायिक स्वीकार्यता इस मॉडल को केवल सरकारी निर्माण कार्य से आगे ले जाकर व्यवहार में इस्तेमाल होने वाली व्यवस्था बनाती है।

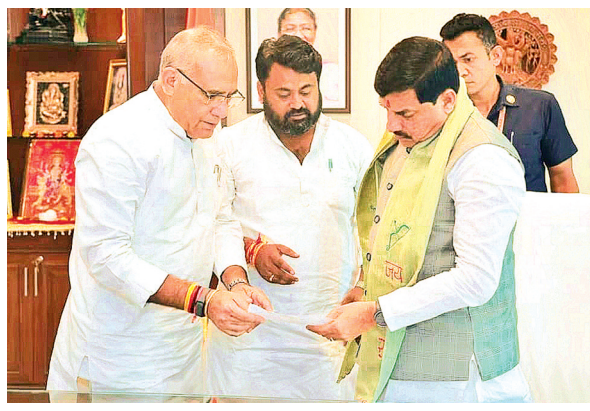
रोजगार से लेकर स्वास्थ्य तक, कई मोर्चों पर असर- इस मॉडल का प्रभाव केवल गंदे पानी की निकासी तक सीमित नहीं रहा। निर्माण और रखरखाव से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी तैयार हुए। वहीं खुली नालियों और जलभराव में कमी से गांवों के स्वच्छता वातावरण में सुधार हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ गलियां, कम जलभराव और बेहतर अपशिष्ट जल प्रबंधन सीधे तौर पर जीवन की गुणवत्ता से जुड़े विषय हैं। इस लिहाज से टीकमगढ़ का प्रयोग स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण और स्थानीय रोजगार आदि इन सभी को जोड़ने वाला मॉडल बनकर सामने आया है।

देश को संदेशः बड़ा समाधान हमेशा महंगा नहीं होताः जलसंकट और सीमित संसाधनों वाले बुंदेलखंड क्षेत्र में टीकमगढ़ का यह नवाचार एक महत्वपूर्ण संदेश भी देता है कि स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा बड़े और महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता नहीं होती। स्थानीय परिस्थितियों को समझकर, सरल तकनीक अपनाकर और समुदाय को सहभागी बनाकर प्रभावी व्यवस्था खड़ी की जा सकती है।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने निगम अध्यक्ष संग भोपाल पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

सीएम दिलाएंगे प्लॉट मालिकों को राहत, हटेगी नामांतरण पर लगी रोक या बनी रहेगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



बीते दो सालों से श्योपुर नगर और उसके आसपास के क्षेत्र में खरीदे गए प्लाटों के नामांतरण नहीं हो रहे हैं। जिससे उन लोगों को भारी कठिनाई हो रही है जिन्होंने कर्ज लेकर भी मकान बनाने के लिए प्लॉट खरीद तो लिए हैं लेकिन रजिस्ट्री करा लेने के बावजूद नामांतरण नहीं किए जा रहे हैं। नामांतरण पर लगी इस रोक को हटवाने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग ने पहल करते हुए मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामनिवास रावत के साथ भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को ज्ञापन सौंप उनका ध्यान इस समस्या की ओर दिलाया है।

शहर के लिए प्रशासनिक स्तर पर इससे अधिक ज्वलंत समस्या शायद दूसरी नहीं होगी और राजनेताओं का अभी तक इस समस्या की और से मुंह फेर कर बैठा रहना संदेह का कारण बन रहा है। पर अब इस मामले में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि द्वारा जो पहल की गई है उस पहल का स्वागत उन प्लाट धारकों ने किया है जिन्होंने मकान बनाने के लिए प्लांट तो खरीद लिए लेकिन नामांतरण करने के लिए चक्कर काट रहे हैं। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि गर्ग ने वन विकास निगम के अध्यक्ष रावत के साथ भोपाल पहुंचकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात और श्योपुर नगर से जुड़े महत्वपूर्ण मांगों से जुड़ा ज्ञापन दिया। ज्ञापन में विशेष रूप से नगर में नामांतरण प्रक्रिया पर लगी रोक को हटाने तथा नागरिकों की सुविधा एवं नगर के समग्र विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से रखा गया। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान श्योपुर नगर में नामांतरण पर लगी रोक की और दिलाते हुए बताया कि इसके कारण नागरिको को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। नामांतरण पर लगी रोक को शीघ्र हटाने की दिशा में आवश्यक पहल किए जाने की मांग की। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने उन्हें बताया कि नामांतरण की प्रक्रिया प्रभावित होने से आम नागरिकों को अपने संपत्ति संबंधी कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान श्योपुर नगर के विकास को गति देने के लिए विभिन्न विकास कार्यों, आवश्यक अधोसंरचना, नागरिक सुविधाओं एवं नगरपालिका क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने नगर के विकास के लिए शासन स्तर से आवश्यक सहयोग एवं वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने श्योपुर से संबंधित विषयों को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक कार्यवाही के संबंध में सकारात्मक चर्चा की।

नामांतरण न होने से हो रही परेशानी

राजस्व अधिकारी अवैध कॉलोनी या टीएनसीपी का हवाला देकर नामांतरण रोक रहे हैं, जिसे आम नागरिकों के साथ अन्याय हो रहा है। नागरिकों का कहना है कि वे अपनी मेहनत की कमाई से भूखंड और मकान खरीदते हैं, लेकिन नामांतरण न होने से उन्हें परेशानी हो रही है। कई मामलों में पहले से स्वीकृत नामांतरण भी अभिलेखों में दर्ज नहीं किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अज्ञानवश पड़ी पुरानी रजिस्ट्रियों को भी राजस्व अधिकारी अवैधानिक रूप से निरस्त कर रहे हैं, जिससे जनता को आर्थिक नुकसान हो रहा है। नागरिक समय समय पर जिले में बंद सभी प्रकार के नामांतरणों को शुरू करने की मांग ज्ञापन प्रदर्शन के माध्यम से कर चुके हैं।

मजबूरी में बिना मंजूरी के बने मकान

मजबूरी का नाम महात्मा गांधी कहावत को चरितार्थ करते हुए कई लोगों ने तो बिना स्वीकृति के ही प्लॉट खरीदकर मकान बना लिए। दरअसल कुछ लोगों ने कॉलोनी में प्लॉट खरीद तो लिए और प्लॉट खरीदने के बाद रजिस्ट्री भी करा ली पर राजस्व विभाग नामांतरण नहीं कर रहा है। नामांतरण नहीं होने की सूरत में भवन निर्माण के स्वीकृति एनओसी भी प्राप्त नहीं हो रही है जिससे अपने घर का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है उल्टा जिससे कर्जा लिया था उन्हें ब्याज भी देना पड़ रहा है ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कुछ लोगों ने तो अपने खर्चे पर ही मकान बिना स्वीकृति के ही बना लिया ऐसे मकान ईदगाह रोड पर, बाईपास रोड पर, पाली रोड, शिवपुरी रोड कई जगह देखने को मिल जाएंगे प्लॉट स्वामियो का कहना है कि उन्होंने मोटी रकम देखकर अच्छे प्लॉट खरीदे हैं और उसे पर लाखों रुपए खर्च कर मकान बनाने का सपना देख रहे हैं लेकिन राजस्व विभाग के द्वारा नामांतरण नहीं करने से उनका यह सपना अधूरा ही रह गया है जिससे वो स्वीकृति के बिना ही पक्के भवन बना लिए हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी मिलन कार्यक्रम आयोजित

आज रोपा पौधा कल फल दे ऐसा करो संकल्पः जानकी बाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर





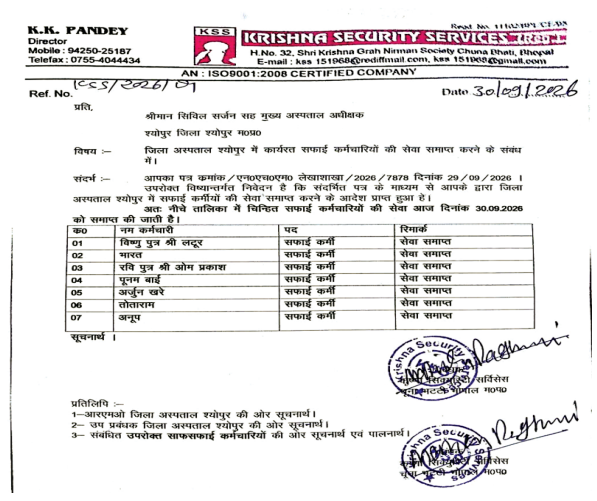
17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जा रहा सेवा संकल्प अभियान सिर्फ रस्म अदायगी बनकर न रहे बल्कि इस एक माह के दौरान सेवाभाव का ऐसा कार्य करें जिसके दूरगामी लाभ हमें मिलते रहें जैसा कि आज हम जिस पौधे को रोप रहे हैं उसका संरक्षण तब तक करें जबतक वो पेड बनकर फल देने लायक न बन जाए। यह बात सेवा संकल्प अभियान के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र नगदी 'बी' पर आंगन मिलन कार्यक्रम में शामिल होने आई ग्राम पंचायत की सरपंच जानकी बाई ने कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को समझाइश देते हुए कही।

कार्यक्रम के दौरान किशोरी बालिकाओं और गर्भवती एवं धात्री महिलाओ तथा बच्चों के साथ ग्राम पंचायत सरपंच,जानकी बाई आर्य सचिव रफीक खान के साथ कार्यकर्ताओ ने उत्साहपूर्वक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक गर्भवती महिला धात्री माता की देखभाल बच्चों की शिक्षा स्वच्छता और पूर्ण टीकाकरण का संदेश दिया गया है कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ नागरिक सत्यनारायण तिवारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संतोष बैरवा संगीता तिवारी एवं सहायिका बिमला बैरवा राधे शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

पोषण थाली सजाने की प्रतियोगिता आयोजितः उधर ग्राम मऊ में सेवा संकल्प अभियान के तहत महिलाओं के बीच पोषण थाली सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजकुमारी राजपूत एवं दूसरे केंद्रों की कार्यकर्ता व सहायिकाओ के सहयोग से हितग्राही महिलाएं बच्चों की माताओ के बीच पोषण थाली सजाओ प्रतियोगिता सहित अन्य जागृत करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिससे कुपोषण के खात्मे के प्रति जागरूकता आ सके। इस दौरान राजकुमारी ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत की जाने वाली आंगन मिलन कार्यक्रम से संबंधित जानकारी दी।

वेतन की मांग करने पहुंचे कर्मियों को सीएस ने दी नौकरी जाने की सूचना

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



जिला अस्पताल में आउटसोर्सिंग पर पदस्थ सफाई कर्मचारियों के होस के तोते उस समय उड़ गए जब अपना रुका हुआ वेतन की मांग करने सिविल सर्जन डॉ एसएन बिंदल के पास पहुंचे तो डॉ बिंदल ने उन्हें बताया कि आप के 7 कर्मचारियों को तो कंपनी ने सेवा से पृथक कर दिया है, उसका वेतन कंपनी कैसे देगी? सीएस के मुंह से अपनी सेवा समाप्ति की जानकारी मिलने के बाद सकते में आए कर्मचारियों ने थाना में सिविल सर्जन को आवेदन देकर वेतन के साथ हटाए गए कर्मचारियों को वापस सेवा में लेने की मांग वाला ज्ञापन सौंप दिया और मांगे नहीं माने जाने पर अनिश्चित कालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई।

ज्ञापन में उल्लेख है कि श्योपुर जिला अस्पताल में आउटसोर्स पर नियुक्त सफाईकर्मियों को कभी समय पर वेतन नहीं दिया जाता है। अभी भी 2 माह से वेतन नहीं मिला है जिससे सफाईकर्मियों के परिवार के पालन पोषण में काफी दिक्कत पैदा हो रही है। सभी सफाईकर्मी उक्त वेतन पर आश्रित होकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं, इसके अलावा परिवार में आय का और कोई साधन नहीं है। 2-3 माह का पीएफ भी कंपनी द्वारा नहीं काटा जा रहा है और न ही एरियर दिया जा रहा है। ज्ञापन में सुपरवाईजर पदस्थ आउटसोर्सिंग कर्मचारी के शराब पीने की शिकायत करते हुए उल्लेख किया गया कि शराब पीने की वजह से उसे पूर्व में हटा दिया गया था लेकिन पुनः आउटसोर्स पर लगा दिया है उनका व्यवहार सफाईकर्मियों के प्रति सही नहीं होकर दुर्भावनापूर्ण है। इस दौरान सीएस डॉ बिंदल ने उन्हें बताया कि आप में से 7 कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग कंपनी सेवा से ही पृथक कर चुकी है उसका लेटर भी दिखाया गया। इस पर कर्मचारी सकते में आ गए और हटाए गए कर्मचारियों को बहाली करने के मांग को लेकर एक दूसरा ज्ञापन तत्काल बनाकर सिविल सर्जन को सौंपा गया।

गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता का संदेश देते हुए उल्लास कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मप्र उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बीएल प्रजापति की अध्यक्षता में उल्लासः एक अभिनव प्रयोग के अंतर्गत महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर श्योपुर में स्वच्छता का संदेश देते हुए साफ-सफाई कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्वच्छ अभियान की शुरूआत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम से हुई। जिसमें सभी न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, प्रशासनिक अधिकारीगण, तृतीय एवं चतुर्थ कर्मचारीगण द्वारा खुद हाथों में झाड़ू थामकर पूरे न्यायालय परिसर की लगा। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बीएल प्रजापति द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, प्रशासनिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता को केवल एक जिम्मेदारी या दैनिक कार्य के रूप में देखने की बजाय इसे एक उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। जब हम न्याय के इस मंदिर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखते हैं तो इससे न केवल कार्यक्षमता बढ़ती है, बल्कि यहां आने वाले पक्षकारों व नागरिकों का तनाव भी कम होता है। उल्लास अभियान केवल एक दिन की औपचारिकता नहीं है, बल्कि हमारे व्यवहार, सोच और दैनिक आदतों में सकारात्मक बदलाव का एक रचनात्मक प्रयास है।

उक्त कार्यक्रम के दौरान बीएल प्रजापति प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुशील कुमार, विशेष न्यायाधीश, प्रतिष्ठा अवस्थी, प्रथम जिला न्यायाधीश, बबीता होरा शर्मा, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, वर्षा सूर्यवंशी मजुमदार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं समस्त न्यायाधीशगण, अंकिता शांडिल्य, जिला विधिक सहायता अधिकारी, ओमप्रकाश गुप्ता, अध्यक्ष, जिला अभिभाषक संघ, प्रशासनिक अधिकारी, जिला न्यायालय, श्योपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्योपुर के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राशन की दुकानों पर लटके रहे ताले, वापस लौटे हितग्राही

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर



सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत संचालित दुकानों की वितरण व्यवस्था की सुविधाओं में की गई कटौती से नाराज विक्रेताओं ने एक अक्टूबर से सात दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। इससे गुरुवार को राशन लेने पहुंचे हितग्राहियों को दुकानों के शटर लगे देख वापस लौटना पड़ा।

प्रदेश स्तरीय संगठन मध्यप्रदेश राशन विक्रेता संघ के बैनरतले की जा रही हड़ताल के बारे में विक्रेता अकरम खान ने बताया कि जब सरकार ने पीडीएस योजना को ही ऑनलाइन कर दिया है ऐसी स्थिति में हितग्राही का अंगूठा लगाकर ही खाद्यान्न दिया जा रहा जिससे इस व्यवस्था में शत प्रतिशत गड़बड़ी रुक चुकी है और विक्रेताओं का काम कई गुना बढ़ गया हैं तो ऐसी स्थिति में उनकी सुविधा बढ़नी चाहिए लेकिन सरकार घटा रही है। सुविधा घटाने की वजह से आज से प्रदेश प्रदेश व्यापी आंदोलन के तहत प्रदेश के सभी पीडीएस दुकानों को 01 से 07 अक्टूबर तक हड़ताल की गई है मांगे नहीं माने जाने पर हड़ताल अनिश्चितकालीन कर दी जायगी।

ये हैं मुख्य मांगे

कमीशन बढ़ाकर न्यूनतम 200 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए।

विक्रेताओं की न्यूनतम आय 40,000 रुपए प्रतिमाह निर्धारित की जाए।

राशन की क्षतिपूर्ति (शॉर्टेज) हेतु प्रति क्विंटल पर 1 किलोग्राम की छूट दी जाए।

मासिक कमीशन माह की 05 तारीख तक किया जाए प्रदेश की सभी सेवा सहकारी समितियों एवं वन समितियों को शासन स्तर से यह कड़े निर्देश जारी किए जाएं कि वे अपने अधीन कार्यरत राशन विक्रेताओं को उनके पारिश्रमिक/कमीशन का समय पर भुगतान करें।

न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं को मिला लाभ

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 120 लोगों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वंदना त्रिपाठी के निर्देशन में 'उल्लास—एक अभिनव प्रयोग' कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय गुना के समन्वय से वृहद स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण परिसर में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य न्यायिक परिवार से जुड़े कर्मचारियों, अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना था।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। यदि शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने सभी कार्य ऊर्जा एवं स्फूर्ति के साथ कर सकता है। उन्होंने कहा कि कई बार छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जो आगे चलकर गंभीर बीमारी का रूप ले सकती हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाते रहना चाहिए। विशेष न्यायाधीश राकेश कुमार जैन ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर की सराहना की। उन्होंने न्यायिक परिवार के सभी कर्मचारियों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रेरित किया।

बीपी, शुगर सहित कई बीमारियों की हुई जांच

जिला विधिक सहायता अधिकारी सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि 'उल्लास—एक अभिनव प्रयोग' कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च न्यायालय द्वारा जारी हेल्थ एडवाइजरी के अनुपालन में न्यायिक परिवार के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, दांत तथा नाक-कान-गला संबंधी स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों द्वारा आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया तथा दवाइयां भी वितरित की गईं।

इसके साथ ही जिला आयुष विभाग द्वारा गठित आयुष विंग की टीम ने भी उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। टीम के सदस्यों ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति, आयुर्वेदिक दवाओं के लाभ एवं उपचार संबंधी जानकारी भी दी।

राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय श्योपुर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर





राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर को जिला चिकित्सालय श्योपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला चिकित्सालय के भूतपूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.के. तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. एस.एन. बिंदल, एसडीएम गगन मीणा सहित चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

शिविर में डॉ. ए.आर. करोरिया, डॉ. राजेश शाक्य, डॉ. ललित शर्मा, डॉ. के.एल. पचोरिया (एनसीडी नोडल), डॉ. रेखा करौची (फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ. सूरज वर्मा, डॉ. जितेंद्र यादव, मोहम्मद जहीर (नर्सिंग ऑफिसर), वीरेंद्र जाट (फार्मासिस्ट), संजय कुमार शाक्य (नेत्र सहायक), रवि शर्मा सहायक स्टाफ सहित अन्य चिकित्सा एवं सहयोगी स्टाफ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में कुल 86 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया, जिनमें 58 पुरुष एवं 28 महिलाएं शामिल रहीं। शिविर के दौरान 38 लोगों को फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की गईं, जबकि 32 मरीजों का ऑर्थोपेडिक परीक्षण एवं उपचार किया गया। इसके अतिरिक्त 28 मरीजों की गैर-संचारी रोग (NCD) संबंधी जांच एवं परामर्श किया गया। अन्य उपस्थित मरीजों को भी आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा वृद्धजनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुसार आवश्यक उपचार, परामर्श तथा आगे की चिकित्सा के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य वृद्धजनों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा।

खबर संक्षेप

युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

अशोकनगर। जिले के पिपरई थाने के अंतर्गत छितरी निवासी संजय कटारिया उम्र 25 साल ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली,पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है, मामले की जांच की जा रही है।

अज्ञात चोर भैंस चुरा ले गया

अशोकनगर। जिले के चंदेरी थाने के अंतर्गत गोरा नयाखेड़ा निवासी प्रेमबाई लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कोई अज्ञात चोर बस स्टेण्ड के पास से उसकी भैंस चोरी कर ले गया, जो 7 वर्ष की है, जिस पर से पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हवेली मार्ग निवासी शेलेन्द्र शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी दीपक शर्मा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौशाला निवासी गौरव सिलावट ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी नीरज प्रजापति ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के थाना नईसरायं क्षेत्र के अंतर्गत काला बाग निवासी रामकृष्ण कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी घनश्याम रजक ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के नईसरायं थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अजलेश्वर निवासी पूजा साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी पहलवान साहू ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

धोखाधड़ी पूर्वक फोन पे हैक कर रुपए निकाले

अशोकनगर। जिले के शाढ़ौरा थाने के अंतर्गत देपराई निवासी नेपाल सिंह यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति धोखाधड़ी पूर्वक फरियादी के फोन पे को हैक करके 39879 रूपए निकाल लिए। जिस पर से पुलिस ने अज्ञात पर मामला दर्ज किया है।

जिले में बाईक चोरी के 3 अलग-अलग मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले में बाईक चोरी के 3 अलग अलग मामले दर्ज किए गए हैं, जिले के देहात थाने के अंतर्गत पिपरई निवासी अंकित जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बस स्टेण्ड अशोकनगर से कोई अज्ञात चोर उसकी बाईक चोरी कर ले गया। जिसका नम्बर एमपी 67 एमई 8706 है, इसी प्रकार शाढ़ौरा थाने के अंतर्गत शड्डमरा निवासी मलखान अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कोई अज्ञात चोर शाढ़ौरा सरकारी अस्पताल के बाहर से उसकी बाईक चोरी कर ले गया, जिसका नंबर एमपी 67 एमसी 9715 है। इसी प्रकार ईसागढ़ थाने के अंतर्गत ईसागढ़ निवासी नरेश यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कोई अज्ञात चोर ठेका वाले पटेल के घर के पास से उसकी बाईक चोरी कर ले गया, पुलिस ने तीनों घटनाओं में चोरी के मामले दर्ज किए हैं।

484 विषय शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया

अशोकनगर। लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में दिनांक 28 से 30 सितम्बर तक कक्षा 9 एवं 10 में अध्यापन कराने वाले विषय शिक्षकों का शासकीय सांदीपनि उ.मा.वि. अशोकनगर में प्रातः 09.30 बजे से सांय 05.30 बजे तक विषय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें प्रथम दिवस हिन्दी एवं अंग्रेजी द्वितीय दिवस गणित एवं विज्ञान तथा तृतीय दिवस संस्कृत एवं सामाजिक विज्ञान विषय का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स द्वारा निदानात्मक कक्षाओं के संचालन एवं ब्लू प्रिंट पर आधारित विषय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें विषयगत कठिनाईयों को हल करने तथा त्रैमासिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने एवं उनकी विषयगत कमजोरियों को दूर करने की तकनीक पर जोर दिया गया।

एक आरोपी से मोटरसाइकिल और 2.70 लाख बरामद किए

भविष्यवाणी व तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर महिला से आभूषण ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर





शहर में पिछली 8 अगस्त को मंदिर से घर लौट रही महिला को भविष्यवाणी और तंत्र मंत्र का भय दिखाकर आभूषणों की ठगी करने वाले गिरोह के एक आरोपी को पुलिस ने उत्तराखण्ड के ऊधमपुर जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक बाईक और 2 लाख 70 हजार रूपए नगद बरामद किए गए हैं। घटना में शेष तीन आरोपियों के साथ जेबर खरीदने वाले लजापत की तलाश भी जारी है। पुलिस जेवर खरीदने वाले दुकानदार को भी आरोपी बनाया है।

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने पत्रकारों के बीच उक्त मामले का खुलासा करते हुए कहा कि 08.08.2026 को पीड़ति अनंतदेवी जैन, पत्नी स्व. पदम जैन, उम्र 64 वर्ष, निवासी विवेक टॉकीज गली, अशोकनगर द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पीड़ति ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके एवं उसके परिवार के साथ अनहोनी होने की भविष्यवाणी कर उसे भयभीत किया गया तथा अपनी बातों में उलझाकर उसके पहने हुए सोने-चांदी के आभूषण उतरवा लिए गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल एसआईटी गठित कर आरोपियों की पतारसी एवं गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए।

2 बाईकों से 4 आरोपी अशोकनगर आए थे

पुलिस टीम द्वारा अशोकनगर शहर एवं घटना से संबंधित संभावित मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया गया। जांच में घटना के बाद चार संदिग्ध व्यक्ति दो मोटरसाइकिलों से अशोकनगर से ईसागढ़, ईसागढ़ से चंदेरी तथा चंदेरी से ललितपुर की ओर जाते हुए पाए गए। प्राप्त सीसीटीवी फुटेज को सीमावर्ती जिलों से साझा करने के साथ-साथ तकनीकी संसाधनों की सहायता से संदिग्धों की पहचान की गई। होटल रजिस्टर एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान रजाकत उर्फ सजाकत पिता जलालुद्दीन खान, गफ्फार पिता शेर मोहम्मद, इमरान पिता खुशी मोहम्मद एवं शहजाद पिता खुशी मोहम्मद, सभी निवासी ठंडानाला, कोपा, गुलरभोज, जिला ऊधमसिंह नगर, उत्तराखंड के रूप में हुई।

दिल्ली, मेरठ सहित कई राज्यों में पुलिस टीमों ने दी दबिश

ठिकानों पर लगातार निगरानी रखी गई तथा दिल्ली, मेरठ, उत्तराखंड, हरियाणा, ओडिशा एवं कानपुर सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। आरोपियों द्वारा लगातार ठिकाने बदलने के बावजूद पुलिस टीम तकनीकी माध्यमों से उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए रही। इसी क्रम में 23 सितंबर को आरोपी के अपने गांव में होने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल उत्तराखंड के ग्राम ठंडानाला, कोपा, गुलरभोज, जिला ऊधमसिंह नगर पहुंचकर दबिश दी गई, जहां से प्रकरण के आरोपी सजाकत पिता जलालुद्दीन खान को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। सम्पूर्ण कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक जिला ऊधमसिंहनगर, उत्तराखंड एवं दिल्ली के डीसीपी क्राईम अग्रवाल की टीम का विशेष योगदान रहा।।

पूछताछ में सामने आया अपराध का तरीका

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय से 07 दिवस के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने तीन साथियों के साथ 07.08.2026 की शाम अशोकनगर आया था तथा अमन होटल में रात्रि विश्राम करने के बाद अगले दिन सुबह शहर के बाजार में पहुंचा। आरोपियों द्वारा महिलाओं को उनके परिवार पर आने वाली कथित विपत्ति एवं अनहोनी का भय दिखाकर अपनी बातों में उलझाया जाता था। इसके बाद उनके पहने हुए सोने-चांदी के आभूषण उतरवाकर वे मौके से फरार हो गए थे। आरोपी एवं उसके साथी दो मोटरसाइकिलों से वारदात को अंजाम देने के लिए घूमते थे। प्रकरण में आरोपियों को जेवर बेचने वाले व्यक्ति को भी आरोपी बनाया गया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

इस तरह बनाते थे महिलाओं को अपना शिकार

जांच में सामने आया कि आरोपीगण एक संगठित अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह के रूप में कार्य करते हैं और विभिन्न राज्यों एवं जिलों में जाकर इसी प्रकार की ठगी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपियों की कार्यप्रणाली में पहले अकेली एवं भोली-भाली महिला को चिन्हित किया जाता था। इसके बाद एक आरोपी महिला को उसके परिवार पर आने वाली कथित आपदा के बारे में बताकर भयभीत करता था। बातचीत के दौरान महिला से ही उसके परिवार एवं व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त कर ली जाती थी। यही जानकारी दूसरे साथी को दी जाती थी, जो उसी जानकारी को इस प्रकार दोहराता था कि महिला को आरोपियों के संबंध में किसी विशेष शक्ति या तंत्र-मंत्र की गलत धारणा होने लगती थी। इसी भ्रम एवं भय का फायदा उठाकर आरोपियों द्वारा आभूषण एवं अन्य कीमती सामान ठग लिया जाता था।



शतरंज प्रतियोगिता में क्षेत्र के खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बीना। जिला सीहोर में 26 से 30 सितंबर तक आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय शतरंज प्रतियोगिता में बीपीसीएल प्रोजेक्ट लक्ष्य से चयनित खिलाड़ी निकिता कुशवाहा, मिस्टी लोधी, अंजलि कुशवाहा एवं देवेश अहिरवार अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में बीपीसीएल प्रोजेक्ट लक्ष्य की खिलाड़ी निकिता कुशवाहा ने सागर संभाग की टीम के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बीपीसीएल प्रोजेक्ट लक्ष्य के मार्गदर्शन एवं सहयोग से इस प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए यह मंच अपने खेल को निखारने, अनुभव प्राप्त करने और भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर है। मेहनत की हर चाल सफलता की ओर एक कदम बढ़ाती है। सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल प्रदर्शन एवं आगामी उपलब्धियों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

ग्राम रॉवसर में श्रमदान पौधारोपण किया गया

अशोकनगर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड अशोकनगर के सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम रॉवसर में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए गांव में साफ-सफाई की तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

छात्र-छात्राओं, अपडाउनर्स और आम यात्रियों को होगी परेशानी

बीना-रूठियाई मेमू बंद होने से यात्रियों में नाराजगी, मुंगावली से संचालन की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



आगासौद स्टेशन पर री-मॉडलिंग कार्य के चलते बीना-गुना-रूठियाई-बीना मेमू ट्रेन क्रमांक 61611/61612/ 61625/61626 का संचालन 30 सितंबर से बंद किए जाने के बाद यात्रियों में निराशा देखने को मिली। पूर्व में ट्रेन के निरस्त होने की सूचना जारी होने के बावजूद यात्रियों को उम्मीद थी कि रेलवे कोई वैकल्पिक व्यवस्था करेगा, लेकिन बुधवार को स्टेशन पहुंचने पर ट्रेन के रद होने की सूचना देखकर छात्र-छात्राओं, अपडाउनर्स, मजदूरों सहित आम यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

यात्रियों का कहना है कि यह मेमू ट्रेन केवल एक यात्री ट्रेन नहीं, बल्कि बीना से रुठियाई के बीच आवागमन करने वाले लोगों के लिए लाइफ लाइन है। बड़ी संख्या में यात्री प्रतिदिन इसी ट्रेन से अपने कार्यस्थल, शिक्षण संस्थानों और अन्य जरूरी कामों के लिए आते-जाते हैं। सुबह अपने गंतव्य पर पहुंचकर दिनभर काम करने के बाद यही ट्रेन उन्हें शाम को वापस घर पहुंचाती है। यात्रियों ने कहा कि ट्रेन के 15 दिनों तक बंद रहने से रोजाना आवागमन में भारी परेशानी होगी। बस से आवागमन करने पर किराए का खर्च इतना बढ़ जाएगा कि कई मजदूरों और निम्न आय वर्ग के लोगों की दैनिक कमाई का बड़ा हिस्सा यात्रा में ही खर्च हो जाएगा। इंदौर से आने वाले यात्री भी आने जाने में परेशान होगें। जो ट्रेने इस क्षेत्र के लिए आवश्यक है उन्हें हर हाल में चलाकर रखा जाना चाहिए, अगर बीना में काम चल रहा है तो बीना के पहले इस ट्रेन को मुंगावली तक संचालित किया जाए।

यात्रियों की परेशानी को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता सुनील आचार्य ने रेल महाप्रबंधक, जबलपुर एवं भोपाल को पत्र भेजकर मेमू ट्रेन का संचालन पूरी तरह बंद न करने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि आगासौद में री-मॉडलिंग कार्य के कारण यदि बीना स्टेशन से ट्रेन चलाना संभव नहीं है तो इसे मुंगावली अथवा मालखेड़ी स्टेशन से रुठियाई तक संचालित किया जाए। आचार्य ने पत्र में कहा है कि क्षेत्र के बड़ी संख्या में यात्री मुंगावली से रुठियाई के बीच प्रतिदिन अप-डाउन करते हैं। ऐसे में ट्रेन का आंशिक संचालन भी यात्रियों को काफी राहत दे सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इसी दौरान त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है, जिसके चलते यात्रियों की आवाजाही बढ़ेगी। ऐसे समय में यदि मेमू ट्रेन का संचालन पूरी तरह बंद रहा तो आम यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उन्होंने रेल प्रशासन से यात्री हित में बीना-रूठियाई मेमू का वैकल्पिक रूप से मुंगावली अथवा मालखेड़ी से नियमित संचालन करने की अनुमति देने की मांग की है।

फर्जी तरीके से बैंक खाता खुलवाकर अवैध लेन देन में उपयोग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फर्जी खाते में हुआ लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन, एक अन्य नामजद आरोपी की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



थाना कोतवाली पुलिस द्वारा फर्जी तरीके से बैंक खाता खुलवाकर उसका अवैध गतिविधियों में उपयोग किए जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उक्त बैंक खाते में लाखों रुपये के लेन-देन की जानकारी सामने आई है।

उल्लेखनीय है कि 29.09.2026 को फरियादी भूरा आदिवासी पुत्र लाल सिंह आदिवासी, उम्र 45 वर्ष, निवासी बोहरे कॉलोनी, अशोकनगर द्वारा थाना कोतवाली में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर शिकायत की गई थी कि जाकिर उर्फ जक्का खान एवं राशिद खान उर्फ चिल्ली खान द्वारा उसके पहचान संबंधी दस्तावेजों का उपयोग कर उसकी जानकारी एवं सहमति के बिना एक्सिस बैंक में फर्जी तरीके से बैंक खाता खुलवाया गया है। फरियादी को उक्त मामले की जानकारी तब हुई, जब उसके नाम से संचालित उक्त बैंक खाते में लाखों रुपये का लेन-देन पाए जाने के कारण बैंक द्वारा खाता ब्लॉक कर दिया गया। बैंक द्वारा लेन-देन के संबंध में जानकारी लिए जाने पर फरियादी को पता चला कि उसके नाम से बैंक खाता संचालित हो रहा है, जबकि फरियादी द्वारा स्वयं एक्सिस बैंक में उक्त खाता कभी नहीं खुलवाया गया था। फरियादी द्वारा जब इस संबंध में जाकिर उर्फ जक्का से जानकारी मांगी गई, तब उसके द्वारा फरियादी के साथ कथित रूप से जातिसूचक एवं अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। फरियादी की शिकायत पर थाना कोतवाली में धोखाधड़ी एवं अन्य संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव मिश्रा द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चैहान को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं प्रकरण में प्रभावी विवेचना हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण के नामजद आरोपी जाकिर उर्फ जक्का पिता सुभान खान, निवासी आजाद मोहल्ला, हाल ऊर्जा कॉलोनी, मुस्कान होटल के पास, अशोकनगर को गिरफ्तार किया गया।

पूर्व में भी दर्ज हो चुके हैं अपराध

पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी जाकिर उर्फ जक्का के विरुद्ध पूर्व में ऑनलाइन रियल मनी गेम के संचालन से संबंधित अपराध पंजीबद्ध हो चुके हैं। प्रकरण में फर्जी तरीके से खोले गए बैंक खाते में हुए लाखों रुपये के लेन-देन को देखते हुए पुलिस द्वारा खाते के उपयोग एवं उससे जुड़े लेन-देन की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि उक्त खाते का उपयोग ऑनलाइन अथवा अन्य अवैध गतिविधियों से संबंधित राशि के लेन-देन के लिए किया गया हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में वास्तविक स्थिति आरोपी से पूछताछ एवं बैंकिंग लेन-देन की विस्तृत जांच के उपरांत स्पष्ट होगी। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर फर्जी बैंक खाता खुलवाने, खाते में हुए लेन-देन, खाते के उपयोगकर्ताओं एवं उससे जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जाएगी।

खुद को ही छलते हैं, दूसरों को छलने वालेः मुनिश्री निरंजन सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



साइंस ऑफ लिविंग के सत्र में मुनिश्री निरंजन सागर जी महाराज ने कहा कि आज मिलकर साइंस ऑफ चीटिंग को समझकर इस प्रकार की नकारात्मक प्रवृत्ति से अपने जीवन को बचाने का प्रयास करेंगे। आज कई बार यह देखने में आता है कि लोग सफलता पाने के लिये तरह-तरह के अनैतिक तरीके अपनाते हैं। ऐसा करके सफलता पाने वाले को हम कहना चाहेंगे कि वे धोखे में हैं कि उन्हें सफलता मिल गई। धोखा देकर सफलता हासिल करने वाला व्यक्ति किसी और को नहीं स्वयं को ही धोखा देता है। सबसे बड़ा और खराब धोखा है खुद को धोखा देना। उन्होंने कहा कि एक राजा को नए प्रधानमंत्री की तलाश थी। इस पद के योग्य उन्हें ईमानदार और भरोसेमन्द व्यक्ति की तलाश थी। उपयुक्त व्यक्ति के चयन के लिये नगर में विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। अन्ततः दस व्यक्तियों का चयन कर उन्हें राजा के सामने प्रस्तुत किया गया। राजा ने अन्तिम परीक्षा के लिये सभी उम्मीदवारों को कुछ बीज देकर कहा आपको इन बीजों को बो कर दो माह तक देखभाल करनी है। जिसका पौधा सबसे हरा-भरा होगा, वही विजेता होगा। (दो महीने बाद) इन सभी में एक प्रतियोगी को छोड़कर बाकी शेष सभी के हाथ में हरे-भरे गमले थे। इस (एक) प्रतियोगी ने मेहनत तो बहुत की पर इतने अधिक प्रयासों के बाद भी वह सफल नहीं हुआ (पौधा नहीं उगा)। राजा ने एक-एक करके सभी प्रतियोगियों के पास जाकर उनके पौधों का मुआयना किया। प्रतियोगियों ने राजा को बताया कि अत्यधिक परिश्रम के बाद वे पौधों को इस स्थिति में ला पाये हैं। अन्त में राजा उस प्रतियोगी के पास गये जिसके गमले में पौधा नहीं था और वह बहुत उदास था। खाली गमले को देखकर राजा ने कहा तुम्हारा पौधा कहाँ है? उसने उत्तर दियाकृ क्षमा करें महाराज! मैं बीजों को अंकुरित करने में सफल नहीं हो पाया। मैं हार गया।

इस पर राजा बोले नहीं प्रधानमंत्री जी आप कैसे हार सकते हैं। राजा की बात सुनकर सभी हैरान रह गये। इसके पहले कोई कुछ कह पाता राजा ने इस युवक को प्रधानमंत्री पद दे दिया। राजा ने कहा इस युवक ने पूरी ईमानदारी से मेहनत की और छलने की कोशिश नहीं की। राजा ने सामने आकर कहा हमने सभी प्रतियोगियों को उबले हुये बीज दिये थे जिनका अंकुरण सम्भव ही नहीं था। निश्चित ही शेष सभी प्रतियोगियों ने बीज बदल कर पौधे उगाये हैं। ये सभी धोखेबाज हैं।

शा. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय अशोकनगर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ के सदस्यों के द्वारा एक जन जागरूकता रैली निकाली गई।

जिसमें सामान्य जन को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक बनाने हेतु प्रयास किया गया। तत्पश्चात संस्था में रैली का समापन संस्था परिसर में किया गया। इस आयोजन के पश्चात ही नशा मुक्ति के संबंध में एक तात्कालिक भाषण का आयोजन भी किया गया।जिसमे संस्था के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में प्रभारी सचिन शर्मा द्वारा बताया गया कि किस प्रकार से नशे की आदत समाज को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। साथ ही उन्होंने नशे से किस प्रकार से बचा जा सकता है एवं हमारे नवयुवक छात्र-छात्राओं को नशे से किस प्रकार से दूर रखा जा सकता है इस विषय पर भी प्रकाश डाला।संस्था के सिविल विभाग के विभागाध्यक्ष एम के नेमा द्वारा उद्बोधन दिया गया कि संस्था में इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के आयोजन जैसे विकसित भारत भाषण प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है।

संस्था के प्राचार्य डॉ. बी.के. गुप्ता द्वारा कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी एवं उन्होंने बताया की सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संस्था में अभी और भी विभिन्न प्रकार आयोजन होंगे जिसमे सभी छात्र -छात्राओं को आगे आकर अपनी प्रतिभागिता करना है। इस अवसर पर संस्था के श्री मोनेश जैन, मनीष वैद्य, अनिल धकाते, भारत यादव, के.के. अहिरवार, हेमंत सुमन, आशु गुरहा, अंकुर सोनी, प्रशांत रघुवंशी, योगेश तिवारी, आर. एस. रघुवंशी, सुनील जाटव, पुरुषोत्तम सिंह ठाकुर, अंकित साहू, संजय अहिरवार, प्रवीण उरैया आदि स्टाफ सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।